भारत के 66वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर

माननीय प्रशासक
दमण एवं दीव तथा दादरा एवं नगर हवेली
का
दमण में
अभिभाषण

26 जनवरी, 2015

दमण एवं दीव के माननीय सांसद श्री लालूभाई बी. पटेल

दमण जिला पंचायत के अध्यक्ष,

विकास आयुक्त,

पुलिस महानिरीक्षक,

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश,

संघ प्रदेश दमण एवं दीव प्रशासन के सभी सचिव,

दमण के समाहर्ता,

मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (वरिष्ठ श्रेणी),

न्यायिक मजिस्ट्रेट (प्रथम श्रेणी),

आदरणीय पूर्व सांसद श्री डाह्याभाई पटेल, श्री गोपालभाई टंडेल एवं श्री देवजीभाई टंडेल

दमण एवं दीव के स्वतंत्रता सेनानी,

सभी राजनीतिक दलों के अध्यक्ष एवं प्रतिनिधिगण,

निर्वाचित प्रतिनिधिगण,

सरकारी अधिकारीगण,

यहाँ उपस्थित उद्योगपतिगण,

मीडिया के प्रतिनिधिगण,

भाईयों और बहनों,

प्यारे बच्चों !

26 जनवरी, 2015 को 66वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर माननीय प्रशासक महोदय का अभिभाषण

****

भारत के 66वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर मैं दमण एवं दीव संघ प्रदेश के लोगों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं । पिछले साढे छः दशकों में हिन्दुस्तान में अभूतपूर्व बदलाव आया है । इस बदलाव की नींव संविधान में निहित मूल्यों के बल पर आधारित है । हिन्दुस्तान का संविधान भारत के उस स्वरूप को झलकाता है जो सदियों के विकास से उभरा है । भारत एक बहुभाषी, बहुजातीय राष्ट्र है जिसमें विविध धर्मों के लोग भाईचारे के साथ रहते हैं । यहां की अपनी

गंगा-जमुनी तहज़ीब के लिए यह दुनिया में कौमी एकता की एक मिसाल है । दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के नागरिक होने के नाते हम इस बात पर फक्र कर सकते हैं कि भारत के संविधान के रचयिता महान बुद्धिजीवी थे और उनकी सोच विराट थी । उनकी विराट सोच के चलते ये समय की कसौटी पर खरा उतरा है ।

आज के दिन हमें संविधान की मूल भावना पर अपना विश्वास फिर एक बार दोहराना है । हमारे संविधान के निर्माताओं ने भारतवर्ष के लिए एक धर्मनिरपेक्ष, समाजवादी एवं लोकतांत्रिक गणराज्य की परिकल्पना की थी । उनका यह सपना था कि हमारे देश

में जाति, लिंग, धर्म या समुदाय के आधार पर किसी नागरिक में भेदभाव न होगा और ऐसी प्रणाली की व्यवस्था की जाएगी जहॉ सबको समान अधिकार प्राप्त होगा । गणतंत्र दिवस इन लोकतांत्रिक मूल्यों को मनाने का उत्सव है । इन मूल्यों में हिन्दूस्तान की बुनियादी पहचान झलकती है, जिसने हमारे देश को 68 वर्षों से एक सूत्र में पिरोकर रखा है ।

भारत गणराज्य बनने के ग्यारह साल बाद वर्ष 1961 में दमण एवं दीव भारत का हिस्सा बना और संघ प्रदेश के रूप में घोषित किया गया । पिछले कुछ दशकों में इस संघ प्रदेश के बुनियादी ढांचे, शिक्षा एवं

स्वास्थ्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय विकास हुआ है । इन दशकों के दौरान देशभर में लोकतंत्र की भावना और गहराई है और लोकतांत्रिक विकेन्द्रीकरण का एक नया स्वरूप उभरकर आया है । आज इस संघ प्रदेश में नगरपालिका एवं जिला पंचायत में चुने हुए प्रतिनिधि विकास के लिए कार्यरत हैं ।

21वीं सदी का भारत एक युवा देश है जहाँ दो-तिहाई नौजवान नागरिक ऊर्जावान एवं महत्वाकांक्षी हैं । आज की युवा पीढ़ी को अपनी सरकार एवं प्रशासन से कई अपेक्षाऐं हैं और वे अपने देश को और प्रांत को आधुनिक एवं प्रगति शील देखना चाहते हैं । आज पूरे देशभर में

एक नयी उम्मीद और एक नया जोश जगा है और विकास का एक नया आयाम उभरकर सामने आया है । माननीय प्रधानमंत्री जी का नारा "**सबका साथ, सबका विकास**" उसी भावना को बखुबी बयां करता है ।

आज के दिन मैं भारत के प्रथम राष्ट्रपति बाबू राजेन्द्र प्रसाद के शब्द दुहराना चाहता हूँ जो उन्होंने 26 जनवरी 1950 को कहे थे -

"***हम उन सभी विस्थापित लोगों को फिर से बसाने तथा उन्हें फिर से स्थिरता देने के लिए चिंतित हैं, जिन्होंने बड़ी मुसीबतें सही हैं और हानियॉ उठाई हैं और जो अभी भी मुसीबत में हैं । जो लोग किसी प्रकार के***

अधिकारों से वंचित हैं, उन्हें विशेष सहायता मिलनी चाहिए ।

इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए यह आवश्यक है कि हम उस स्वतंत्रता को सुरक्षित रखें, जो आज हमें प्राप्त है लेकिन राजनीतिक स्वतंत्रता के समान ही आर्थिक और सामाजिक स्वतंत्रता भी समय की मॉग है । वर्तमान हमसे अतीत की अपेक्षा भी अधिक निष्ठा और बलिदान मॉग रहा है।'

संघ प्रदेश दमण एवं दीव के लिए पर्यटन, औद्योगिक विकास एवं शिक्षा सर्वोच्च प्राथमिकताएं हैं ।

संघ प्रदेश दमण एवं दीव भारत में एक अनोखे पर्यटन केन्द्र के रूप में उभरने की क्षमता रखता है । इस संघ प्रदेश के दोनों हिस्से प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण है और अरब सागर के किनारे का खूबसूरत एवं मनोरम दृश्य एक अनूठा आकर्षण है । इस प्रदेश को विरासत में कई ऐतिहासिक इमारतें मिली हैं जो देश और विदेश के सैलानियों को बड़ी संख्या में आकर्षित करती हैं । दमण गुजरात और महाराष्ट्र के मुख्य शहरों के करीब है और यहॉ का उदारवादी और आतिथ्य की परंपरा से आकर्षित होकर कई सैलानी आते हैं । इसी प्रकार दीव गीर एवं सोमनाथ के करीब स्थित होने के

कारण पर्यटन के लिए अत्यंत अनुकूल है । फिर भी हमें पर्यटन संबंधी बुनियादी ढॉचा विकसित करने के लिए भरसक प्रयास करना होगा । साथ ही इस प्रदेश के प्रति राष्ट्रीय स्तर पर जागरूकता लाने की आवश्यकता है । पर्यटन को बढ़ावा देने की नजर से हमने पहले चरण में दीव पर केन्द्रित एक व्यापक राष्ट्रीय मीडिया अभियान चलाने का फैसला किया है । दमण एवं दीव के धरोहर स्मारकों को पर्यटन के अनुकूल एक नया स्वरूप देकर उन्हें विकसित किया जाएगा ।

दीव में सरकारी और निजी भागीदारी के तहत आरामदेह और सस्ते होटलों का विकास करेंगे । भारत

सरकार ने दीव में एक विश्वस्तरीय Oceanarium की स्थापना के लिए सैद्धांतिक रूप से सहमति प्रदान की है और हमें यह आश्वासन दिया गया है कि बहुत जल्द इस काम को शुरू किया जाएगा । दमण जिले के सौंदर्यीकरण के लिए हम एक परियोजना तैयार कर रहे हैं । इसके लिए National Institute of Design की टीम अहमदाबाद से यहाँ आयी थी । हमने जमपोर से बामनपूजा के बीच दमणगंगा नदी तट के सौंदर्यीकरण की भी परियोजना तैयार की है । देवका से कडैया के बीच एक हरित-पट्टी विकसित की जा रही है, जो पर्यटकों के लिए एक नवीन आकर्षण केन्द्र बनेगा । हम दमण

एवं दीव को एक ऐसे सांस्कृतिक स्थल के रूप में विकसित करना चाहते हैं जहां सैलानी विशेषरूप से संगीत और नृत्य का लुत्फ़ उठाने के लिए आयें । बीते हुए दिसम्बर महीने में दीव में पहली बार दीव-महोत्सव आयोजित किया गया, जिसका पर्यटकों एवं दीववासियों ने खूब आनंद उठाया ।

संघ प्रदेश दमण एवं दीव कई मायनों में अनोखा है, क्योंकि प्रदेश के दोनों हिस्सों के बीच आवागमन हेतु परिवहन का कोई जरिया नहीं है । मुम्बई से दमण समुद्री रास्ते दीव जाने के लिए catamaran सेवा शुरू करने के लिए हमने Shipping Corporation of India के

साथ करार किया है । हमें उम्मीद है कि ये सेवाएं शुरू होने से कम समय में लोगों को आरामदायक एवं सुखद यात्रा का एक साधन उपलब्ध हो पाएगा ।

प्रशासन इन प्रदेशों में मजबूत ढॉचागत संरचना देने के लिए कटिबद्ध है । पर्याप्त विद्युत आपूर्ति सभी उद्योगों की जीवन रेखा और आर्थिक विकास की कुंजी है । हाल ही में हमने कचीगाम में 66KV सब-स्टेशन शुरू किया है । जल्द ही दाभेल में 220KV सब-स्टेशन और भीमपोर में 66KV सब-स्टेशन बनाया जाएगा जिससे पूरे दमण में बिजली की पर्याप्त आपूर्ति की जाएगी । हम दीव-दमण में सौर ऊर्जा संयंत्र भी लगा रहे हैं और दीव

के सौंदर्य के मद्देनजर दीव को पूर्णरूप से सौर ऊर्जा पर आश्रित शहर बनायेंगे । दीव में पवन ऊर्जा उत्पन्न करने के लिए भी हम प्रयासरत हैं । हम दीव को देश का पहला इलाका बनाना चाहते हैं जो पूर्णरूप से हरित ऊर्जा से संचालित हो और पूरे देश में एक मॉडल के रूप में उभरकर आये ।

कुछ दिन पहले मैंने दुनेठा और डाभेल में लगाये गये जल शुद्धिकरण संयंत्रों का दौरा किया । डाभेल के मौजूदा जल शुद्धिकरण संयंत्र से डाभेल एवं नानी दमण क्षेत्र के लोगों की जल आवश्यकताओं को पूरा किया जा रहा है। फिर भी इस प्रदेश में अगले तीन दशकों की

जलापूर्ति के लिए हमने एक भावी योजना तैयार की है । अगले वर्ष अप्रैल तक मधुबन डैम से पाईप लाईन के द्वारा दुनेठा जल शुद्धिकरण संयंत्र शुरू किया जाएगा । जल की गुणवत्ता की नियमित जॉच की ज़रूरत को समझते हुए हम प्रदेश के लिए स्वतंत्र जल गुणवत्ता निगरानी प्रणाली को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में हैं ।

दमण एवं दीव में जल-निकासी सुविधा मुहैया कराने का कार्य अगले डेढ़ वर्षों में पूरा कर लिया जाएगा ।

अगले दो हफ्ते में पातलिया पुल क्रियान्वित कर दिया जाएगा और बामनपूजा पुल का काम भी जल्द समाप्त हो जाएगा । मुझे उम्मीद है कि अगले छः

महीनों में नानी दमण और मोटी दमण को जोड़ने वाले Pedestrian Bridge का काम शुरू हो जाएगा । मगरवाडा और कचीगाम को जोड़ने के लिए भी एक पुल बनाने की परियोजना तैयार की गई है ।

पिछले पॉच दशकों में मजबूत औद्योगिक आधार की बदौलत दमण व्यापक आर्थिक विकास का साक्षी बना है । अधिकतर औद्योगिकीकरण इस प्रदेश को मिलने वाले कर-लाभों के कारण हुआ । लेकिन अब लाभों की मियाद खत्म होने जा रही है । यह हम सबकी साझी जिम्मेदारी है कि हम दमण में ऐसा माहौल बनायें कि जिससे उद्योग और निवेश का इस प्रदेश में खुलकर

स्वागत करें । उन्हें यह महसूस कराना होगा कि यहां व्यापार के अनुकूल वातावरण है । प्रशासन इस बात के लिए दृढ़संकल्प है कि हम दमण में आर्थिक उदारीकरण एवं सरलीकरण के लिए हर वो कदम उठायें जिससे अधिक से अधिक निवेश हो । हमारा यह मानना है कि उद्योगों के विकास से रोजगार के अवसर उत्पन्न होंगे और प्रदेश समृद्ध होगा । हमें यह भी सुनिश्चित करना होगा कि पर्यावरण पर इसका कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़े । 22 जनवरी को हमने इस संघ प्रदेश के लिए एक उद्योग नीति की घोषणा की है, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन होंगे और प्रदेश में नये उद्यमों को

लगाने के लिए बढ़ावा मिलेगा । हम सरकारी प्रक्रिया, नियम एवं प्रणाली को आसान बना रहे हैं ताकि यह प्रदेश भारत का एक ऐसा प्रदेश बन सके जहां व्यावसाय करना सबसे सहज हो सकेगा । अगले दो महीनों में प्रक्रिया संबंधी सभी कठिनाईयों को दूर करने एवं ढॉचागत सरलीकरण के कार्य को शुरू करने के लिए एक टास्कफोर्स गठित की गई है ।

शिक्षा एवं कौशल संघ प्रदेश प्रशासन के लिए प्राथमिकता का क्षेत्र है । किसी भी बच्चे के बुनियादी ज्ञान को सही रूप एवं आकार देने के लिए प्राथमिक स्तर की स्कूली शिक्षा बहुत महत्वपूर्ण है और दमण एवं

दीव में प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता पर ध्यान देना सबसे अहम है । हमने प्रदेश में केवल योग्य शिक्षकों को भर्ती करने का निर्णय लिया है और हम आधारिक संरचना और शिक्षा की गुणवत्ता की कमियों को दूर करने के लिए व्यापक योजना तैयार कर रहे हैं । इसके अलावा हमें यह भी सुनिश्चित करने की जरूरत है कि इस प्रदेश के युवाओं को व्यावसायिक शिक्षा में प्रशिक्षण के लिए व्यापक अवसर मिले । यह बेहद अफसोस की बात है कि दमण एक वृहद औद्योगिक केन्द्र होने के बावज़ूद यहॉ के स्थानीय उद्योगों में काम करने के लिए प्रदेश से कुशल श्रमिक पर्याप्त संख्या में नहीं मिल

रहे । हम सरकारी एवं निजी भागीदारी के आधार पर दमण-दीव में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान का आधुनिकीकरण करेंगे । हम स्थानीय उद्योगों की ज़रूरतों के अनुसार औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों की स्थापना को भी बढ़ावा देंगे ताकि स्थानीय उद्योगों के लिए आवश्यक प्रशिक्षण दिया जा सके ।

दमण के राजकीय महाविद्यालय पर गंभीरतापूर्वक ठोस विचार करने की आवश्यकता है ताकि महाविद्यालय परिसर में मूलभूत तब्दीली आ सके । दीव में हम जल्द ही शिक्षा केन्द्र स्थापित करने का कार्य आरंभ करेंगे

ताकि दीव उच्च शिक्षा का एक क्षेत्रीय केन्द्र बनकर उभरे ।

दमण दीव में हमारे पास जिला स्तर पर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र और सरकारी अस्पताल का मजबूत ढाँचा है । दीव में नया जिला अस्पताल बनाया जा रहा है और यह कार्य अगले दो महीनों में पूरा हो जाएगा । फिर भी कुछ ऐसे विशेष क्षेत्र हैं जिनके लिए हमें विशेषज्ञ चिकित्सक नहीं मिल पाते, जिससे लोगों को काफी दिक्कत महसूस होती है । हमने हाल ही में यूनाईटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी तथा गुजरात और महाराष्ट्र के सूचीबद्ध कुछ अस्पतालों के साथ एक

नये करार पर हस्ताक्षर किया है जिससे CGHS दरों पर ईलाज की सुविधा उपलब्ध होगी ।

पिछले कुछ वर्षों में दमण के स्वरूप में काफी बदलाव आया है । इस प्रदेश के कुछ हिस्सों में शहरीकरण हुआ है जबकि दूसरे कुछ हिस्से इतने बड़े हो गये हैं कि उन्हें अब पंचायत की सीमा में नहीं रखा जा सकता । जिला पंचायत एवं नगरपालिका के सीमाओं के परिसीमन की प्रक्रिया जारी है और जल्दी ही हम इन्हें आज की जरूरतों के अनुरूप एक नया स्वरूप देंगे ।

वापी स्थित कारखानों से होने वाले प्रदूषण एवं कचड़ों के कारण दमणगंगा में प्रदूषण हमारे लिए चिंता

का विषय है । हमने इस बारे में गुजरात सरकार के साथ उच्च-स्तरीय चर्चा की है । हमें आश्वासन मिला है कि गुजरात सरकार दमणगंगा नदी में फैल रहे प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए कठोर से कठोर कदम उठायेगी । सैद्धांतिक रूप से इस बात का फैसला हुआ कि दमणगंगा नदी के तट को एक साथ विकसित करेंगे और इसे सुन्दर पर्यटन स्थल बनायेंगे । लेकिन मैं यह भी कहना चाहूँगा कि हमारे औद्योगिक इकाईयों को भी नदी एवं समुद्र में फैल रहे प्रदूषण की समस्या को रोकने के लिए अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी । मैं समुद्रतट के साथ लगे हुए सभी होटल संचालकों से अपील करता

हूँ कि वे अपने परिसर में जल-शुद्धीकरण संयंत्र लगायें ताकि समुद्रतट का सौंदर्य बरकरार रहे ।

प्रशासन ने पर्यावरण विनियामक को व्यापक तरीके से उदार बनाने के लिए कई कदम उठाये हैं । जहां तक संभव हो सके, हम सरकार के साथ नागरिकों के संबंधों को ज्यादा से ज्यादा मैत्रीपूर्ण, सहज और पारदर्शी बनाना चाहते हैं । हम नेटवर्किंग के माध्यम से एक ऐसी सेवा मॉडल की ओर बढ़ रहे हैं, जहां मानवीय हस्तक्षेप की जरूरत कम से कम हो । हम उन प्रक्रिया, नियम एवं प्रणाली को सरल बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो वर्तमान संदर्भ में अनुकूल नहीं हैं । IT विभाग द्वारा इस दिशा

में कई कदम उठाये जा रहे हैं । सरल सेवा केन्द्र स्थापित किये जा रहे हैं और सरकारी महकमों में computerization का काम चल रहा है ।

पिछले वर्ष 02 अक्तूबर को हम सभी ने स्वच्छ भारत अभियान में हिस्सा लिया था । कुछ दिन पहले जमपोर के किनारे पर्यटन विभाग ने काईट फैस्टिवल का आयोजन किया । मुझे अत्यंत प्रसन्नता हुई कि जमपोर समुद्रतट की स्वच्छता में भारी बदलाव आया है । हमारे लिए स्वच्छता महज एक दिन की औपचारिकता नहीं होनी चाहिए । यह नगरपालिका परिषद, जिला पंचायत, समाज एवं हर नागरिक का दायित्व है कि वे अपने घर,

कार्यालय, सड़क, सार्वजनिक स्थल की स्वच्छता को सुनिश्चित करें ।

मैं इस मौके पर प्रदेश के पुलिस महकमे को बधाई देता हूँ, जिन्होंने कड़ी निगरानी रखते हुए प्रदेश की कानून व्यवस्था को नियंत्रण में रखा है, अवैध शराब तस्करी की रोकथाम की है एवं औद्योगिक क्षेत्रों में सुरक्षा का माहौल जागृत किया है । यह हमारे लिए बहुत गर्व की बात है कि आज हमारे पुलिस महकमे के हेड कांस्टेबल श्री मोहन सोलंकी और सहायक पुलिस निरीक्षक श्री शांताराम गांवकर को उत्कृष्ट सेवा के लिए

राष्ट्रपति पुलिस मेडल से नवाजा जा रहा है । मैं उन्हें तहेदिल से मुबारकबाद देता हूँ ।

यह प्रदेश नैसर्गिक रूप से सांप्रदायिक एकता, शांति और भाईचारे का प्रतीक है । हमें इसे बरकरार रखना है । इतिहास गवाह है कि दमण ने हमेशा सभी समुदाय के लोगों और निवेशकों का खुले दिल से स्वागत किया है तथा देश के अलग-अलग हिस्सों से आये हुए लोगों ने इस सुन्दर प्रदेश को अपना बनाया है । हमें इस परंपरा को बनाये रखना है ।

दमण में पासपोर्ट सेवा कैंप लगाया गया था और इसी प्रकार का एक कैंप 31 जनवरी को दीव में लगाया

जाएगा । फरवरी के महीने में दमण समाहर्तालय में पासपोर्ट सुविधा के लिए स्थायी केन्द्र खोला जाएगा, जिससे दमण और सिलवासा के नागरिक अपनी पासपोर्ट सेवाएं आसानी से ले पायेंगे ।

मने आशा छे के आ संघ प्रदेश ने देशना सौथी आधुनिक प्रदेश बनाववा माटे नजीकना भविष्य मां अहिनां राजकीय नेताओं, प्रशासन, उद्योगपतिओ, समाजसेवकों अने शिक्षक समुदाय बधा साथे मळिने प्रांत नी प्रगति माटे काम करिशुं । आ प्रदेश ना सर्वांगी विकास माटे आपणे सौए साथे मळिने दरेके पोताना

कार्यक्षेत्र मां योगदान आपवु पडशे, त्यारे ज आ लक्ष्य प्राप्त करी सकीशुं ।

- : जय हिन्द :-